स्वामी रामानंद तीर्थ

मराठवाडा वश्व वद्यालय, नांदेड

"ज्ञानतीर्थ" वष्णुपुरी, नांदेड

दूर शक्षा केंद्र

हिंदी पाठ्यक्रम

एम. ए. प्रथम एवं द्वतीय वर्ष

शै क्षक वर्ष २०१६ - १७ से प्रारंभ

स्वामी रामानंद तीर्थ

मराठवाडा वश्व वद्यालय, नांदेड

दूर शक्षा केंद्र

एम. ए. हिंदी प्रथम एवं द्वतीय वर्ष : पाठ्यक्रम की रूपरेखा

पाठ्यक्रम ०१ : मध्ययुगीन एवं आधुनिक हिंदी काव्य

पाठ्यक्रम ०२ : हिंदी कथा साहित्य

पाठ्यक्रम ०३ : प्रयोजनमूलक हिंदी

पाठ्यक्रम ०४ : हिंदी साहित्य का इतिहास

दूर शक्षा केंद्र

एम. ए. प्रथम वर्ष हिंदी पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

१. दूर शक्षा केंद्र के इस पाठ्यक्रम के माध्यमसे वैश्विकता की ओर कदम बढ़ाती हिंदी भाषा के सामर्थ्य से परि चत कराना तथा हिंदी साहित्य के आस्वाद की रू च बढ़ाना

२. इस पाठ्यक्रम के माध्यमसे दूर शक्षा के छात्रों को अपने परिवेश से जोड़ना तथा उनके व्यक्तित्व को संपन्न बनाना| छात्र इस साहित्य में अपने जीवन की झाँ क देखे, वर्तमान समय में संघर्षपूर्ण जीवन का साहस के साथ सामना कर सके और अपने जीवन को सरस बनाने में इस ज्ञान का उपयोग कर सके|

३. हिंदी काव्य एवं कथा साहित्य यह पाठ्यक्रम हिंदी के प्रमुख एवं प्रतिनि ध क वयों से छात्रों को परि चत कराएगा| साथ ही राष्ट्रीय एकता का एहसास, सामाजिक समरसता का परिचय, पारिवारिक संबंधों की मजबूती तथा सांस्कृतिक एकता का महत्त्व प्रतिपादित करेगा|

४. रोजगार की दृष्टि से 'प्रयोजन मूलक हिंदी' यह पाठ्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है| यह पाठ्यक्रम बनाते समय पहली बार प्रत्यक्ष कृति पर अ धक बल दिया गया है| इसी कारण यह पाठ्यक्रम काफी चुनौतीपूर्ण भी बन गया है| भा षक कुशलता प्राप्ति की दृष्टि से यह पहला कदम है| हिंदी की प्रयुक्तियों से प्रत्यक्ष कृति के माध्यमसे छात्रों को परि चत होना है| जिनमें प्रमुख रूप से जनसंचार के प्रंट एवं इलेक्ट्रोनिक माध्यम है|

५. अनुवाद के माध्यमसे सारी भारतीय भाषाओं में संबंध स्था पत करना इस पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण उद्देश्य है| साथ ही 'अनुवाद प्राद्यौ गकी' के क्षेत्र की चुनौतियों की ओर छात्र देखे और इन चुनौतियों के लए छात्र अपने आपको तैयार करें|

६. हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यमसे साहित्येतिहास लेखन का स्वरूप एवं समस्याओं से परि चत कराते हुए समग्र हिंदी साहित्य से रूबरू कराकर छात्रों को इस क्षेत्र में अनुसंधान के लए प्रवृत्त करना है| नए साहित्यिक प्रवाहों से भी उन्हें परि चत होना हैं|

७. स्वयं अध्ययन और इसके लए की जानेवाली कृति के बिना अध्ययन – अध्यापन अधूरा है| छात्र स्वयं अध्ययन की ओर प्रवृत्त हो यह इस केंद्र का उद्देश्य है|

आपको अध्ययन अध्यापन के लए अनेक – अनेक शुभकामनाएँ .....

एम. ए. हिंदी प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम – ०१

मध्ययुगीन एवं आधुनिक हिंदी काव्य

खंड अ मध्ययुगीन काव्य

इकाई ०१ : भक्ति काल

१.१भक्तिकालीन काव्य का स्वरूप

१.२भक्ति आन्दोलन : वकासात्मक परिचय

१.३भक्तिकालीन काव्यधाराएँ

१.४भक्तिकालीन साहित्य का योगदान

इकाई ०२ : हिंदी संत एवं सूफी काव्य

२.१ हिंदी संत एवं सूफी काव्य की वैचारिक पृष्ठभू म

२.२प्रमुख संत एवं सूफी क व एवं उनका काव्य

२.२.१ कबीर : गुरुदेव कौ अंग, सु मरन कौ अंग, वरह कौ अंग (प्रत्येक अंग से दो-दो पद) (०६)

२.२.२ रैदास : जांति-पाँति तथा हिंदू मुस्लिम एकता से संबं धत दो-दो पद (०४)

२.२.३ जायसी : पद्मावत - नागमती वयोग खंड

२.३वर्तमान परिप्रेक्ष्य में संत एवं सूफी साहित्य

इकाई ०३ : राम-भक्ति एवं कृष्ण-भक्ति काव्य

३.१ राम-भक्ति एवं कृष्ण-भक्ति काव्य की वैचारिक पृष्ठभू म

३.२राम-भक्ति एवं कृष्ण-भक्ति काव्य और प्रमुख क व

३.२.१ तुलसीदास : रामचरित मानस – अयोध्या कांड

३.२.२ सूरदास : सूरसागर – वात्सल्य एवं रूप वर्णन से संब धत तीन-तीन पद तथा 'भ्रमरगीत' से तीन पद (०९)

३.२.१ मीराबाई : स्त्री अस्मिता से संब धत पाँच पद (०५)

३.३वर्तमान परिप्रेक्ष्य में राम-भक्ति एवं कृष्ण-भक्ति काव्य

इकाई ०४ : रीति काव्य

४.१रीतिकालीन सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि

४.२ रीतिकालीन काव्यधाराएँ : सामान्य परिचय

४.३रीतिकालीन प्रमुख क व एवं रचनाएँ

४.३.१ बिहारी : सतसई – श्रृंगार वर्णन से संबं धत पाँच छंद (०५)

४.३.२ भूषण : शवराज भूषण – प्रशस्तिपरक पाँच छंद (०५)

४.३.३ घनानंद : घनानंद क वत्त - वरह से संबं धत पाँच छंद (०५)

४.३.४ रहीम : नीति (०२), भक्ति (०२) और प्रकृति (०१) से संबं धत छंद (०५)

४.४रीतिकाल का काव्यशास्त्र एवं साहित्य के लए योगदान

खंड आ आधुनिक काव्य

इकाई ०५ : आधुनिक काव्य एवं प्रमुख क व - भाग १

५.१ आधुनिकता, पुनर्जागरण, नवजागरण : अवधारणा एवं स्वरूप तथा काव्यधाराएँ – सं क्षप्त परिचय

५.२ आधुनिक काव्य : प्रमुख क व एवं रचनाएँ

५.२.१ मै थलीशरण गुप्त : यशोधरा – यशोधरा के मानिनी रूप से संबं धत अंश

५.३ छायावाद : वैचारिक-सांस्कृतिक पृष्ठभू म

५.४ छायावाद के प्रमुख क व

५.४.१ जयशंकर प्रसाद : कामायनी – लज्जा सर्ग

५.४.२ सु मत्रानंदन पंत : प्रकृति वर्णन से संबं धत दो क वताएँ

५.४.३ सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : गीतिका – दो गीत

५.५ युगीन परिप्रेक्ष्य में इन क वयों का योगदान

इकाई ०६ : आधुनिक काव्य एवं प्रमुख क व – भाग २

६.१ प्रगति – प्रयोग - नई क वता तथा समकालीन क वता : वैचारिक पृष्ठभू म

६.२ प्रगति – प्रयोग - नई क वता तथा समकालीन क वता : प्रमुख क व एवं क वताएँ

६.२.१ नागार्जुन : दो व्यंग्यात्मक क वताएँ

६.२.२ दिनकर : रश्मिरथी – कर्ण के चरित्र से संबं धत अंश

६.२.३ अज्ञेय की दो क वताएँ

६.२.४ मुक्तिबोध की दो क वताएँ

६.३ इन साहित्यकारों का साहित्यिक – सामाजिक योगदान एवं मूल्यांकन

इकाई ०७ : आधुनिक काव्य एवं प्रमुख क व - भाग ०३

७१ हिंदी गज़ल तथा क वता के नए स्वर तथा दक्खनी काव्य

७.२ वधागत स्वरूप, युगीन पृष्ठभू म एवं वैचारिक पृष्ठभू म

७.३ प्रमुख क व

७.३.१ दुष्यंतकुमार : गज़ल (०२) (साए में धूप – १. भूख है तो सब्र कर तथा २. कहा तो तय था चीरागाँ)

७.३.२ कात्यायनी : क वता (०२)

सात भाइयों के बीच चम्पा इस संकलन से –

१. इस लड़की से डरो

२. हॉकी खेलती लड़ कयाँ

७.३.३ सुशीला टाकभौरे : क वता (०२)

१. हमारे हिस्से का सूरज

२. जानकी जान गयी है

७.३.४ दक्खनी क वता (०२)

७.४ मूल्यांकन

अ धक अध्ययन हेतु :

नामदेव, गुरुनानक, आचार्य केशवदास, गुरु गो वंद संह भारतेंदु, महादेवी वर्मा, हरिवंशराय बच्चन, धू मल, नवगीत की समीक्षा करने का प्रयास कीजिए

स्वयं अध्ययन के लए :

१. प्रादे शक लोकगीतों का संकलन कीजिए

२. दक्खनी क वताओं का संकलन कर समीक्षा करने की को शश कीजिए

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

१. हिंदी साहित्य कोश : सं धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमंडल ल मटेड, आज भवन, संत कबीर मार्ग, वाराणसी – २२१००१, पुनर्मुद्रित संस्करण २०००

२. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

३. हिंदी साहित्य की भू मका : हजारीप्रसाद द् ववेदी

४. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं डॉ. नगेन्द्र, नॅशनल पब्लि शंग हाउस, नई दिल्ली

५. कबीर : हजारीप्रसाद द् ववेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

६. कबीर : डॉ. पुष्पपाल संह

७. पद्मावत : डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल, साहित्य सदन चीरगाँव, झाँसी

८. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल

९. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य शामसुंदर दास

१०. त्रिवेणी : आचार्य रामचंद्र शुक्ल

११. सूर साहित्य : आचार्य हजारीप्रसाद द् ववेदी

१२. भ्रमरगीत : आचार्य रामचंद्र शुक्ल

१३. सूरदास : डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा, हिंदी परिषद्, प्रयाग वश्व वद्यालय

१४. मीराँबाई की पदावली : परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग

१५. बिहारी सतसई : सं जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

१६. बिहारी : वश्वनाथप्रसाद संह, रामचंद्र एंड कंपनी , दिल्ली

१७. घनानंद ग्रन्थावली : सं वश्वनाथप्रसाद मश्र

१८. भूषण ग्रंथावली : तिवारी भगवानदास

१९. भूषण का प्रशस्ति काव्य : रमा नवले, वकास प्रकाशन कानपूर

२०. रीतिकाव्य की भू मका : डॉ. नगेन्द्र

२१. मै थलीशरण गुप्त ; व्यक्ति और काव्य, के. कमलकांत पाठक

२२. छायावाद : डॉ. नामवर संह

२३. कामायनी काव्य संस्कृति और दर्शन : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

२४. कामायनी पुनर्मूल्यांकन : मुक्तिबोध

२५. आधुनिक क वता : प्रकृति और परिवेश : डॉ. हरिचरण शर्मा, चन्मय प्रकाशन, जयपुर

२६. निराला की साहित्य साधना : डॉ. राम वलास शर्मा

२७. क्रांतिकारी क व निराला : डॉ. बच्चन संह

२८. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : रामस्वरूप चतुर्वेदी

२९. अज्ञेय ; सृजन और संघर्ष : डॉ. रॉय, लोकभारती प्रकाशन

३०. मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना : डॉ. नवल कशोर नवल

३१. साठोत्तरी हिंदी ग़जल : मधु खराटे, वद्या प्रकाशन, कानपुर
३२. कम से कम एक दरवाज़ा : सुधा अरोड़ा, बो ध प्रकाशन, जयपुर

एम. ए. हिंदी

प्रथम वर्ष

पाठ्यक्रम – **02**

हिंदी कथा साहित्य

खंड अ

हिंदी उपन्यास

इकाई ०१. : उपन्यास : अवधारणा, स्वरूप, तत्व एवं प्रमुख भेद

१.१ उपन्यास : अवधारणा एवं स्वरूप

१.१.१ उपन्यास : अर्थ एवं परिभाषा

१.१.२ उपन्यास : स्वरूप ववेचन

१.१.३ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उपन्यास वधा का महत्त्व

१.२ उपन्यास के तत्व

१.२.१ कथावस्तु

१.२.२ पात्र या चरित्र चत्रण

१.२.३ संवाद या कथोपकथन

१.२.४ देशकाल और वातावरण

१.२.५ भाषाशैली

१.२.६ उद्देश्य

१.३ उपन्यास : प्रमुख भेद

१.३.१ तिलस्मी / जासूसी / सामाजिक / ऐतिहा सक उपन्यास

१.३.२ आँच लक / यथार्थवादी / राजनीतिक चेतना के उपन्यास

१.३.३ मनोवैज्ञानिक / मार्क्सवादी / प्रयोगशील उपन्यास

इकाई ०२ : प्रेमचंद : गोदान

२.१ प्रस्तावना

(प्रेमचंद के समग्र उपन्यास साहित्य को ध्यान में रखकर)

२.२ प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

२.२.१ प्रेमचंद का जीवन परिचय

२.२.२ प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय

२.३ गोदान उपन्यास की समीक्षा : निम्न बिंदुओं के आधारपर –

* मूल संवेदना, कथावस्तु एवं चरित्र
* युगबोध – कृ ष संस्कृति, उभरता पूँजीवाद – नई सभ्यता का उदय
* संयुक्त परिवार-टूटने की प्र क्रया का प्रारंभ–एकल परिवारों का उदय

२.४ गोदान : मूल्यांकन तथा हिंदी उपन्यास साहित्य में प्रेमचंद का योगदान

इकाई ०३ : भीष्म साहनी : तमस

३.१ प्रस्तावना

(साहनीजी के समस्त उपन्यासों को ध्यान में रखकर)

३.२ भीष्म साहनी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

३.२.१ भीष्म साहनी का जीवन परिचय

३.२.२ भीष्म साहनी का साहित्यिक परिचय

३.३ तमस उपन्यास की समीक्षा – निम्न बिंदुओं के आधारपर

* रचनाकाल
* मूल संवेदना एवं चरित्रों का स्वरूप
* तत्कालीन राजनीतिक – आ र्थक – धा र्मक संबंध
* लेखक का मानवतावादी दृष्टिकोण

३.४ तमस : मूल्यांकन एवं हिंदी उपन्यास साहित्य में साहनीजी का योगदान

इकाई ०४ : ग लगडु : चत्रा मुद्गल

४.१ प्रस्तावना

(चत्रा मुद्गल के समस्त कथा साहित्य को ध्यान में रखकर)

४.२ चत्रा मुद्गल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

४.२.१ चत्रा मुद्गल का जीवन परिचय

४.२.२ चत्रा मुद्गल का साहित्यिक परिचय

४.३ ग लगडु उपन्यास की समीक्षा – निम्न बिंदुओं के आधारपर

४.३.१ मूल संवेदना एन चरित्रों का स्वरूप

४.३.२ बदलते जीवनमूल्यों का स्वरूप

४.३.३ बदलते पारिवारिक संबंध एवं वृद्ध जीवन की त्रासदी

४.४ ग लगडु : मूल्यांकन एवं हिंदी उपन्यास साहित्य में चत्रा मुद्गल का योगदान

खंड आ

इकाई ०५ कहानी : अवधारणा, स्वरूप, तत्व एवं प्रमुख चरण

५.१ कहानी : अवधारणा एवं स्वरूप

५.१.१ कहानी : अर्थ एवं परिभाषा

५.१.२ कहानी का बदलता स्वरूप

५.२ कहानी के तत्व

५.२.१ कथावस्तु

५.२.२ पात्र या चरित्र – चत्रण

५.२.३ कथोपकथन या संवाद

५.२.४ देशकाल और वातावरण

५.२.५ भाषा शैली

५.२.६ उद्देश्य

५.३ हिंदी कहानी : प्रमुख चरण

५.३.१ प्रेमचंद पूर्व युग – प्रेमचंद युग - प्रेमचंदोत्तर युग

५.३.२ नई कहानी – साठोत्तरी कहानी

५.३.४ हिंदी कहानी : मूल्यांकन

इकाई ०६ : कहानीकार : गुलेरी वकल्प में प्रेमचंद, कमलेश्वर, ज्ञानरंजन

६.१ उसने कहा था : गुलेरी

६.१.१ प्रस्तावना

(गुलेरीजी के समग्र कहानी साहित्य पर)

६.१.२ गुलेरीजी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

६.१.३ 'उसने कहा था' कहानी की समीक्षा

६.१.४ गुलेरीजी का हिंदी साहित्य को योगदान

वकल्प में

६.१ रूहे हयात : प्रेमचंद

६.१.१ प्रस्तावना

(प्रेमचंद के समग्र कहानी साहित्य पर)

६.१.२ प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

६.१.३ 'रूहे हयात' कहानी की समीक्षा

६.१.४ प्रेमचंद का हिंदी साहित्य को योगदान

६.२ खोई हुई दिशाएँ : कमलेश्वर

६.२.१ प्रस्तावना

(कमलेश्वर के समग्र कहानी साहित्य पर

६.२.२ कमलेश्वर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

६.२.३ खोई हुई दिशाएँ की समीक्षा

६.२.४ मूल्यांकन एवं कमलेश्वर का हिंदी कहानी में योगदान

६.३ अनुभव : ज्ञानरंजन

६.३.१ प्रस्तावना

(ज्ञानरंजन के समग्र कहानी साहित्य पर)

६.३.२ ज्ञानरंजन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

६.३.३ अनुभव कहानी की समीक्षा

६.३.४ ज्ञानरंजन का हिंदी कहानी साहित्य में योगदान

इकाई ०७ : कहानीकार : लाल पान की बेगम - फणीश्वरनाथ रेणु, दोपहर का भोजन – अमरकांत, खोज - संजीव

७१ लाल पान की बेगम – फणीश्वरनाथ रेणु

७१.१ प्रस्तावना

(फणीश्वरनाथ रेणु की समग्र कहानियों के आधारपर)

७१.२ फणीश्वरनाथ रेणु का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

७.१.३ लाल पान की बेगम कहानी की समीक्षा

७.१.४ मूल्यांकन एवं फणीश्वरनाथ रेणु का हिंदी कहानी साहित्य में योगदान

७.२ दोपहर का भोजन – अमरकांत

७.२.१ प्रस्तावना – अमरकांत की समग्र कहानियों के आधारपर

७.२.२ अमरकांत : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

७.२.३ दोपहर का भोजन कहानी की समीक्षा

७.२.४ मूल्यांकन एवं अमरकांत का हिंदी कहानी साहित्य में योगदान

७.३ खोज – संजीव

७.३.१ प्रस्तावना – संजीव की समग्र कहानियों के आधारपर

७.३.२ संजीव – व्यक्तित्व एवं कृतित्व

७.३.३ खोज कहानी की समीक्षा

७.३.४ मूल्यांकन एवं संजीव का हिंदी कहानी में योगदान

अ धक अध्ययन हेतु :

प्रसाद, सुभद्राकुमारी चव्हाण, जैनेन्द्र, यशपाल, मन्नू भंडारी, भीष्म साहनी, मृदुला गर्ग, जया जादवानी, उदयप्रकाश, आदि की कहानियाँ

स्वयं अध्ययन के लए :

१. अपने आसपास की लोक भाषाओं की लोककथाओं का संकलन करना
२. प्रादे शक भाषाओं की कहानियों की हिंदी कहानी के साथ तुलना करना
३. इन लोककथाओं के माध्यमसे प्रादे शक संस्कृति का परिचय प्राप्त करना
४. लोककथाओं में आये हुए शब्दों का संकलन करना तथा बिंब एवं प्रतीकों का अध्ययन करना

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

१. हिंदी साहित्य कोश : सं धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमंडल ल मटेड, आज भवन, संत कबीर मार्ग, वाराणसी – २२१००१, पुनर्मुद्रित संस्करण २०००

२. उपन्यास का काव्यशास्त्र : बच्चन संह, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

३. हिंदी कथा साहित्य एक दृष्टि : सत्यकेतु सांकृत, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

४. उपन्यास स्थिति एवं गति : चंद्रकांत बांदिवडेकर, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
५. उपन्यास : समय और संवेदना : वजयबहादुर संह, वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
६. हिंदी उपन्यास : डॉ. सुरेश सन्हा
७. साहित्यिक वधाएँ : पुन र्वचार : डॉ. हरिमोहन
८. साहित्यिक वधाएँ : डॉ. मधु धवन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
९. उपन्यास की संरचना : गोपाल राय, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
१०. हिंदी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
११. हिंदी कहानी का इतिहास : गोपाल राय, भाग १,२,३ राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
१२. कहानी : वस्तु, अंतर्वस्तु : शम्भु गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
१३. हिंदी कहानी : यथार्थवादी नज़रिया : मार्कंडेय, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
१४. कहानी : नई कहानी : नामवर संह राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
१५. कहानी की रचना प्र क्रया : परमानंद श्रीवास्तव, नामवर संह राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
१६. शास्त्रीय समीक्षा के सद्धांत : गो वंद त्रिगुनायत्त
१७. समकालीन कहानी : युगबोध का संदर्भ
१८. प्रेमचंद : एक ववेचन : इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
१९. प्रेमचंद : एक ववेचन : इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
२०. प्रेमचंद : एक ववेचन : इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
२१. प्रेमचंद और उनका युग : डॉ. राम वलास शर्मा
२२. तमस : एक अध्ययन : शैलजा पाटील
२३. भीष्म साहनी का उपन्यास साहित्य : ववेक द् ववेदी
२४. कहानीकार प्रेमचंद : रचना दृष्टि और रचना शल्प : शवकुमार मश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

एम. ए. हिंदी

प्रथम वर्ष

पाठ्यक्रम – **0३**

प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई ०१ प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

१.१. प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र

१.१.१ प्रयोजनमूलक भाषा : अर्थ एवं परिभाषा

१.१.२ प्रयोजनमूलक हिंदी : नामकरण

१.१.३ प्रयोजनमूलक हिंदी और सृजनात्मक हिंदी में साम्य और अंतर

१.२ प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूपगत वशेषताएँ

१.२.१ व शष्ट भाषा

१.२.२ कृत्रिमता या औपचारिकता

१.२.३ अर्जित भाषा

१.२.४ प्रयोजनपरकता

१.२.५ पारिभा षकता एवं अ भधापरकता

१.२.६ प्रयुक्तिपरकता

१.३ प्रयोजनमूलक हिंदी : व्यवहार क्षेत्र

१.३.१ प्रयोजनमूलक हिंदी के व वध (प्रमुख) रूप एवं भा षक वशेषताएँ

१.३.२ प्रशासकीय एवं कार्यालयीन हिंदी : भा षक वशेषताएँ

१.३.३ वाणीज्य एवं व्यावसाय की हिंदी : भा षक वशेषताएँ

१.३.४ व ध की हिंदी : भा षक वशेषताएँ

१.३.५ वैज्ञानिक हिंदी : भा षक वशेषताएँ

१.३.६ जनसंचार माध्यमों की हिंदी : भा षक वशेषताएँ

इकाई ०२ प्रशासकीय – कार्यालयीन तथा व्यावसायिक हिंदी : सरकारी एवं अर्धसरकारी पत्र (कृति कार्यक्रम)

२.१ सरकारी पत्र लेखन

२.१.१ सरकारी पत्रलेखन : स्वरूप

२.१.२ सरकारी पत्र लेखन : भा षक वशेषताएँ

२.१.३ सरकारी पत्र लेखन : ०४ नमूने

२.१.४ सरकारी पत्र लेखन : गृहकार्य

२.२ अर्ध सरकारी पत्र

२.२.१ अर्ध सरकारी पत्र लेखन : स्वरूप

२.२.२ अर्ध सरकारी पत्र लेखन : भा षक वशेषताएँ

२.२.३ अर्ध सरकारी पत्र लेखन : ०४ नमूने

२.२.४ अर्ध सरकारी पत्र लेखन : गृहकार्य

२.३ व्यावसायिक पत्र

२.३.१ व्यावसायिक पत्र का स्वरूप एवं व्याप्ति

२.३.२ व्यावसायिक पत्र : भा षक वशेषताएँ

२.३.३ व्यावसायिक पत्र : ०४ नमूने

२.३.४ व्यावसायिक पत्र : गृहकार्य

२.४ शकायत पत्र

२.४.१ शकायत पत्र : स्वरूप एवं आवश्यकता

२.४.२ शकायत पत्र : भा षक वशेषताएँ

२.४.३ शकायत पत्र : ०४ नमूने

२.३.४ शकायत पत्र : गृहकार्य

इकाई ०३ जनसंचार माध्यमों की हिंदी – मुद्रित, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य माध्यम : भा षक वशेषताएँ

३.१ जनसंचार का मुद्रित माध्यम : समाचार लेखन एवं वज्ञापन की हिंदी

३.१.१ प्रमुख मुद्रित माध्यम : सामान्य परिचय

३.१.२ समाचार लेखन : भा षक वशेषताएँ

३.१.३ समाचार लेखन (सम्पादकीय, वज्ञापन, कृ ष तथा खेल वषयक समाचार के ०४ नमूने) : इसके आधारपर सोदाहरण भाषा की वशेषताएँ वशद करना

३.१.४ गृहकार्य एवं मूल्यांकन

३.२ श्रव्य माध्यम रे डयो : भा षक वशेषताएँ

३.२.१ प्रमुख श्रव्य माध्यम : भा षक वशेषताएँ

३.२.२ रे डयो की हिंदी : भा षक वशेषताएँ

३.२.३ रे डयो लेखन (समाचार, वज्ञापन, कृ ष तथा खेल से संबं धत ०४ नमूने) : इसके आधारपर सोदाहरण भाषा की वशेषताएँ वशद करना

३.२.४ गृहकार्य एवं मूल्यांकन

३.३ दृश्य-श्रव्य माध्यम दूरदर्शन : भा षक वशेषताएँ

३.३.१ प्रमुख दृश्य-श्रव्य माध्यम : सामान्य परिचय

३.३.२ दृश्य-श्रव्य माध्यम दूरदर्शन : भा षक वशेषताएँ

३.३.३ दूरदर्शन लेखन (समाचार, वज्ञापन, कृ ष तथा खेल से संब धत ०४ नमूने) इसके आधारपर भा षक वशेषताएँ वशद करना

३.३.४ गृहकार्य एवं मूल्यांकन

इकाई ०४ जनसंचार माध्यमों की हिंदी : इलेक्ट्रोनिक मी डया

४.१ इलेक्ट्रॉनिक मी डया के व वध रूप एवं सामान्य भा षक वशेषताएँ

४.१.१ इलेक्ट्रॉनिक मी डया के व वध रूप

४.१.२ इलेक्ट्रॉनिक मी डया की हिंदी : भा षक वशेषताएँ

४.१.३ इलेक्ट्रोनिक मी डया की हिंदी की ल प : वर्तमान परिदृश्य एवं उपाय

४.१.३ मूल्यांकन

४.२ कंप्यूटर की हिंदी : स्वरूप एवं वशेषताएँ

४.२.१. कंप्यूटर की कार्य पद्धति : माध्यम भाषा के रूप में हिंदी की उपयो गता

४.२.२ देवनागरी कंप्यूटर का सामान्य परिचय और कार्यपद्धति

४.२.३ टंकण की भाषा हिंदी : सु वधाएँ, कठिनाइयाँ, उपाय

४.२.४ गृहकार्य एवं मूल्यांकन

४.३ इंटरनेट की हिंदी

४.३.१ अंतर्राष्ट्रीय सूचना मार्ग के रूप में इंटरनेट की उपयो गता

४.३.२ इंटरनेट की कार्य पद्धति : माध्यम भाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग – सु वधाएँ, कठिनाइयाँ एवं उपाय

४.३.३ एस.एम.एस. की भाषा : स्वरूप, वशेषताएँ तथा ल प

४.३.४ मूल्यांकन

इकाई ०५ अनुवाद : अवधारणा, सद्धांत, प्र व ध एवं महत्त्व

५.१ अनुवाद : अवधारणा, स्वरूप, प्र व ध तथा महत्त्व

५.१.१ अनुवाद : अवधारणा, स्वरूप

५.१.२ अनुवाद : सद्धांत एवं प्रा व ध

५.१.२ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अनुवाद का महत्त्व, व्याप्ति एवं रोजगार की संभावनाएँ

५.२ अनुवादक के अ धकार, सीमाएँ एवं गुण

५.१.१ अनुवादक के अ धकार

५.१.२ अनुवादक की सीमाएँ

५.१.३ अनुवादक के गुण

५.३ अनुवाद : भारतीय परंपरा एवं वर्तमान परिदृश्य

५.३.१ अनुवाद : भारतीय परंपरा

५.३.२ अनुवाद : भारतीय भाषाओं के सन्दर्भ में

५.३.३ अनुवाद : वर्तमान परिदृश्य

५.३.४ मूल्यांकन

इकाई ०६ अनुवाद : साहित्यिक, कामकाजी-कार्यालयीन, एवं आशु अनुवाद

६.१ साहित्यिक अनुवाद : स्वरूप, सद्धांत एवं व्यवहार

६.१.१ साहित्यिक अनुवाद : सद्धांत

६.१.२ पद्यानुवाद : ०५ क वताओं के अनुवाद के नमूने तथा अनुवाद करते समय आयी कठिनाइयों का सोदाहरण ववेचन
(उदा. मराठी से हिंदी, हिंदी से मराठी, हिंदी से अन्य कसी एक भारतीय भाषा में)

६.१.३ कसी एक कहानी और एक निबंध का अनुवाद तथा अनुवाद करते समय आयी कठिनाइयों का सोदाहरण ववेचन)
(उदा. मराठी से हिंदी, हिंदी से मराठी तथा हिंदी से अन्य कसी एक भारतीय भाषा में)

६.२ कामकाजी अनुवाद : स्वरूप, सद्धांत एवं व्यवहार

६.२.१ कामकाजी-कार्यालयीन अनुवाद : स्वरूप एवं सद्धांत

६.२.२ कार्यालयीन अंग्रेजी अथवा मराठी वाक्यांशों का हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी, मराठी या अन्य कसी भारतीय भाषाओं में अनुवाद

(१० वाक्य)

६.२.३ कामकाजी (कसी भी क्षेत्र से) मराठी, अंग्रेजी या कसी एक भारतीय भाषा के वाक्यांशों का हिंदी में तथा हिंदी के वाक्यांशों का मराठी, अंग्रेजी तथा कसी एक भारतीय भाषा में अनुवाद

६.३ आशु अनुवाद

६.३.१ आशु अनुवाद का स्वरूप एवं प्र क्रया

६.३.२ वर्तमान समय में आशु अनुवाद का महत्त्व

६.३.३ प्रात्य क्षक : आशु अनुवाद का अवलोकन कर दस वाक्यों का संकलन कया जाए तथा कार्य करते समय आये अनुभवों को शब्दबद्ध कया जाए (पुस्तक लेखक एवं छात्र)

६.४ अनुवाद कार्य करते समय आयी कठिनाइयों का ववेचन एवं उपाय

६.५ मूल्यांकन

इकाई ०७ प्रकल्प कार्य : एक रचना का अनुवाद

७.१ कसी भी एक भारतीय भाषा की रचना (क वता, कहानी, निबंध, वैचारिक लेख, संस्मरण, रेखा चत्र) का चयन एवं अनुवाद

७.२ अनुवाद करते समय आयी कठिनाइयों का ववेचन तथा अनुवाद कार्य के लए अपनाई गयी प्र व ध का ववेचन

७.३ उपयोग में लाई गयी सामग्री की जानकारी

७.४ अनुवाद कार्य : अनुभव कथन

अ धक अध्ययन हेतु :

१. सरकारी कामकाज का बारीकी से अवलोकन करे

२. अनुवाद करते समय कन- कन शब्दों के अनुवाद में दिक्कतें आयी? और क्यों? कारणों को ढूँढे

३. इन शब्दों का संकलन करें

स्वयं अध्ययन के लए :

१. भन्न- भाषी छात्रों से चर्चा तथा उनकी भाषा के श्रेष्ठ साहित्य को जानने का प्रयास
२. इन रचनाओं का अपनी भाषा में अनुवाद करने का प्रयास

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : वनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
२. प्रयोजनमूलक हिंदी : सद्धांत और प्रयोग : दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
३. व्यावहारिक हिंदी : र वन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
४. प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना एवं अनुप्रयोग : डॉ. रामप्रकाश / डॉ. दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
५. हिंदी पत्रकारिता हमारी वरासत : सं शंभुनाथ, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
६. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता : डॉ. दिनेशप्रसाद संह, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
७. समाचार पत्रों की भाषा : मा णक मृगेश, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
८. साहित्यिक पत्रकारिता : मा णक मृगेश, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
९. टेली वजन : चुनौतियाँ और संभावनाएँ, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
१०. टेली वजन की भाषा : हरिश्चंद्र वर्णवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
११. टेली वजन लेखन : असगर वजाहत, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
१२. वज्ञापन डॉट कॉम. : डॉ रेखा सेठी, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
१३. मी डया लेखन : सु मत मोहन, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
१४. मी डया लेखन के सद्धांत : एन. सी. पंत, तक्षशीला प्रकाशन , ९८ ए. हिंदी पार्क, दरियागंज, नई दिल्ली ११०००२

१५. संचार माध्यम लेखन : गौरीशंकर रैना, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

१६. कंप्यूटर और सूचना प्राद्यौ गकी शब्दकोश : वनोदकुमार मश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

१७. कंप्यूटर के भा षक अनुप्रयोग : वजयकुमार मल्होत्रा, मा णक मृगेश, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

१८. रे डयो नाटक की कला : डॉ. सद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

१९. रे डयो वार्ता शल्प : सद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

२०. कंप्यूटर और हिंदी : डॉ. हरिमोहन, तक्षशीला प्रकाशन, ९८ ए. हिंदी पार्क, दरियागंज नई दिल्ली – ११० ००२

२१. न्यू मी डया इंटरनेट की भाषाई चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ : आर. अनुराधा, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

२२. मी डयाकालीन हिंदी : स्वरूप और संभावनाएँ : डॉ. अर्जुन चव्हाण, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

२३. अनुवाद : सद्धांत और व्यवहार : डॉ. जयंतीप्रसाद नौटियाल, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

२४. अनुवाद की व्यापक संकल्पना : प्रो. दिलीप संह, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद – २११००१

२५. अनुवाद वर्णव्यवस्था आ ण मी – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे (मराठी)

२६. अनुवाद क्या है? – राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

२७. अनुवाद प्र क्रया एवं परिदृश्य : रीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

२८. अनुवाद सद्धांत की रूपरेखा : डॉ. सुरेशकुमार, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

२९. अनुवाद वज्ञान की भू मका : कृष्णकुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, प्रा. ल. १ – बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली ११०००२

३०. अनुवाद : सद्धांत एवं प्रयोग : जी गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद – २११००१

३१. भारतीय भाषाएँ और हिंदी अनुवाद : समस्या एवं समाधान : कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

३२. साहित्यानुवाद : संवाद और संवेदना, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

३३. हिंदी टंकण सद्धांत : शवनारायण चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

३४. कंप्यूटरी सूचना प्रणाली वकास : रामबंसल ‘ वज्ञाचार्य’, मा णक मृगेश, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

३५. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. अंबादास देशमुख

३६. प्रयोजनमूलक हिंदी : माधव सोनटक्के

३७. प्रयोजनमूलक हिंदी तथा भाषा कंप्यूटिंग – जमादार एच. ए. तथा जन अहमद के. जे.

३८. प्रयोजनमूलक हिंदी : नरेश मश्रा

३९. प्रयोजनमूलक हिंदी तथा अनुवाद : डॉ. आदिनाथ सोनटक्के

एम. ए. हिंदी

प्रथम वर्ष

पाठ्यक्रम – **04**

हिंदी साहित्य का इतिहास

खंड अ

इकाई ०१ : साहित्येतिहास का स्वरूप, काल वभाजन, नामकरण तथा पुनर्लेखन की समस्याएँ

१.१ साहित्येतिहास का स्वरूप, दृष्टि, काल वभाजन एवं नामकरण

१.१.१ साहित्येतिहास लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं दृष्टि

१.१.२ काला वभाजन के आधार तथा हिंदी साहित्येतिहास का काल वभाजन एवं नामकरण

१.२ हिंदी साहित्य के इतिहास का इतिहास

१.३ हिंदी साहित्येतिहास : पुनर्लेखन की समस्याएँ

इकाई ०२ आदिकाल : सीमांकन, नामकरण, युगीन पृष्ठभू म एवं प्रमुख काव्यधाराएँ

२.१ आदिकाल :

२.१.१ सीमांकन एवं नामकरण

२.१.२ युगीन पृष्ठभू म

२.२ आदिकाल : प्रमुख काव्यधाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ

२.२.१ सद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य

२.२.२ रासो साहित्य

२.२.३ अन्य काव्यधाराएँ : सं क्षप्त परिचय

(हास्य-व्यंग्य, श्रृंगार प्रधान काव्य, गद्य साहित्य)

२.३ मूल्यांकन

इकाई ०३ भक्तिकाल : सीमांकन, नामकरण, युगीन पृष्ठभू म एवं प्रमुख काव्यधाराएँ

३.१ भक्तिकाल :

३.१.१ सीमांकन एवं नामकरण

३.१.२ युगीन पृष्ठभू म

३.२ भक्तिकाल : प्रमुख काव्यधाराएँ : निर्गुण काव्य

३.१.१ संत काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख क व

३.१.२ सूफी काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख क व

३.३ भक्तिकाल : प्रमुख काव्यधाराएँ : सगुन काव्य

३.३.१ कृष्णभक्ति काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख क व

३.३.२ रामभक्ति काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख क व

३.४ भक्तिकालीन काव्य का मूल्यांकन

इकाई ०४ रीतिकाल : सीमांकन, नामकरण, युगीन पृष्ठभू म एवं प्रमुख काव्यधाराएँ

४.१ रीतिकाल :

४.१.१ सीमांकन एवं नामकरण

४.१.२ युगीन पृष्ठभू म

४.२ रीतिकाल : प्रमुख काव्यधाराएँ

४.२.१ रीतिबद्ध काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख क व

४.२.२ रीति सद्ध काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख क व

४.२.३ रीतिमुक्त काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख क व

४.३ रीतिकाल का मूल्यांकन

खंड आ
आधुनिक काल

इकाई ०५ आधुनिक हिंदी काव्य : वकासात्मक अध्ययन

५.१ आधुनिक काल : प्रेरणा स्त्रोत एवं युगीन पृष्ठभू म

५.१.१ प्रेरणा स्त्रोत

५.१.२ युगीन पृष्ठभू म

५.२ भारतेंदु युग – द् ववेदी युग – छायावादी युग : काव्यधारा

५.२.१ भारतेंदु युगीन काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख क व

५.२.२ द् ववेदी युगीन काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख क व

५.२.३ छायावादी काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख क व

५.३ प्रगति - प्रयोग – नई क वता – समकालीन क वता : काव्यधारा

५.३.१ प्रगतिवादी काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख क व

५.३.२ प्रयोगवादी - नई क वता : काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख क व

५.३.३ समकालीन क वता की काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख क व

५.३.४ राष्ट्रीय तथा सांस्कृतिक चेतना की काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख क व

५.४ आधुनिक कालीन काव्य : मूल्यांकन

इकाई ०६ : आधुनिक प्रमुख हिंदी गद्य वधाओं का वकासात्मक अध्ययन

६.१ आधुनिक हिंदी गद्य : उद्भव एवं वकास

६.२ आधुनिक हिंदी गद्य वधाओं का वकासात्मक अध्ययन : उपन्यास का वकासात्मक अध्ययन

६.२.१ हिंदी उपन्यास : प्रेमचंद पूर्व युग

६.२.२ हिंदी उपन्यास : प्रेमचंद युग

६.२.३ हिंदी उपन्यास : प्रेमचंदोत्तर युग

६.३ आधुनिक हिंदी गद्य वधाओं का वकासात्मक अध्ययन : हिंदी कहानी का वकासात्मक अध्ययन

६.३.१ प्रेमचंद पूर्व युग

६.३.२ प्रेमचंद युग

६.३.३ प्रेमचंदोत्तर युग

६.४ आधुनिक हिंदी गद्य वधाओं का वकासात्मक अध्ययन : हिंदी नाटक का वकासात्मक अध्ययन

६.४.१ भारतेंदु युग

६.४.२ प्रसाद युग युग

६.४.३ प्रसादोत्तर युग

६.५ मूल्यांकन

इकाई ०७ हिंदी द लत एवं महिला लखन का वकासात्मक अध्ययन (केवल आत्मकथा के सन्दर्भ में

७१ हिंदी द लत आत्मकथा साहित्य : वकासात्मक अध्ययन

७२ हिंदी महिला लेखन : वकासात्मक अध्ययन

७३ हिंदी द लत एवं महिला आत्मकथा साहित्य का हिंदी साहित्य में योगदान

अ धक अध्ययन हेतु :

१. काव्य की अन्य वधाओं का वकासात्मक अध्ययन
२. गद्य की अन्य वधाओं का वकासात्मक अध्ययन

स्वयं अध्ययन हेतु :

१. दक्खनी भाषा की क वताओं का संकलन कर इसके इतिहास लेखन का कार्य
२. प्रादे शक भाषा मराठी की साहित्य वधाओं की हिंदी साहित्य वधाओं के साथ तुलना कर समानताएँ एवं वषमताएँ देखने का प्रयास
३. कसी अन्य प्रादे शक भाषा के साहित्य के इतिहास का सामान्य परिचय पाना

संदर्भ ग्रंथ सूची

४०. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल – वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

४१. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारीप्रसाद द् ववेदी - वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

४२. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं डॉ. नगेन्द्र – नॅशनल पब्लि शंग हाउस २३, दरियागंज नई दिल्ली ११०००२

४३. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा - लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद – २११००१
४४. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गंपतिचंद्र गुप्त - लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद – २११००१
४५. हिंदी साहित्य का उद्भव और वकास : हजारीप्रसाद द् ववेदी - लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद – २११००१
४६. हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : डॉ. राम वलास शर्मा
४७. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
४८. हिंदी साहित्य का अतीत : डॉ. वश्वनाथप्रसाद मश्र
४९. हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : शवकुमार शर्मा
५०. हिंदी साहित्य का सही इतिहास : डॉ. चंद्रभानु सोनवने – आलोक प्रकाशन , औरंगाबाद
५१. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे – वकास प्रकाशन कानपुर
५२. हिंदी साहित्य का इतिहास : पुनर्लेखन की समस्याएँ – पुखराज मारू : राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
५३. हिंदी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास : भागीरथ मश्र - राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
५४. हिंदी साहित्य का इतिहास : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद – २११००१
५५. आधुनिक हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन संह - लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद – २११००१
५६. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. माधव सोनटक्के
५७. आधुनिक हिंदी क वता का वैचारिक पक्ष : डॉ. रतनकुमार पांडे
५८. भारतीय द लत आन्दोलन का इतिहास (खंड ०४) : मोहनदास नै मशराय - राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
५९. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबू गुलाबराय
६०. हिंदी निर्गुण संत काव्य : डॉ. रमा शुक्ल
६१. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. जय कशनप्रसाद
६२. हिंदी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय – राजकमल प्रकाशन प्रा. ल., १ - बी नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – ११० ००२
६३.